UP Board Class 12 Hindi 2026 (Set 301 BG) Question Paper

General Instructions

(i) This question paper contains 14 questions. All questions are compulsory.

(ii) It comprises 19 single-correct multiple-choice questions.

(iii) Attempt every question; detailed solutions are provided in the companion solutions booklet.

1(a). 'शुक्लयुग' के निबन्धकार नहीं हैं :

(A) गुलाबराय

(B) राहुल सांकृत्यायन

(C) अध्यापक पूर्ण सिंह

(D) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

1(b). हिन्दी एकांकी के जनक माने जाते हैं :

(A) विष्णु प्रभाकर

(B) भुवनेश्वर प्रसाद

(C) लक्ष्मीनारायण मिश्र

(D) रामकुमार वर्मा

1(c). 'चंपारण में महात्मा गाँधी' जीवनीपरक कृति के लेखक हैं :

(A) डॉ. राजेन्द्रप्रसाद

(B) अमृत राय

(C) डॉ. रामविलास शर्मा

(D) सम्पूर्णानन्द

1(d). 'हर्षचरित का सांस्कृतिक अध्ययन' कृति किस गद्य-विधा की रचना है ?

(A) निबन्ध

(B) आलोचना

(C) यात्रावृत्तान्त

(D) कहानी

1(e). इनमें से लेखक और उसकी कृति का एक विकल्प सुमेलित नहीं है, वह है :

(A) जैनेन्द्र कुमार – 'पूर्वोदय'

(B) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' – 'बाजे पायलिया के घुँघरू'

(C) हजारीप्रसाद द्विवेदी – 'राष्ट्रजीवन की समस्याएँ'

(D) हरिशंकर परसाई – 'तब की बात और थी'

2(a). 'द्विवेदी-युग' के कवि नहीं हैं :

(A) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

(B) रामनरेश त्रिपाठी

(C) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(D) माखनलाल चतुर्वेदी

2(b). 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।' — यह कथन इनमें से किस काव्य-आन्दोलन के लिए कहा गया है ?

(A) छायावाद

(B) प्रगतिवाद

(C) प्रयोगवाद

(D) नई कविता

2(c). इनमें से प्रगतिवादी कवि नहीं हैं :

(A) नागार्जुन

(B) त्रिलोचन शास्त्री

(C) केदारनाथ अग्रवाल

(D) गिरिजाकुमार माथुर

2(d). 'तारसप्तक' के कवियों को 'राहों का अन्वेषी' किसने कहा है ?

(A) गजानन माधव मुक्तिबोध

(B) भारतभूषण अग्रवाल

(C) प्रभाकर माचवे

(D) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

2(e). मैथिलीशरण गुप्त की काव्यकृति नहीं है :

(A) 'यशोधरा'

(B) 'रजतशिखर'

(C) 'जयभारत'

(D) 'विष्णुप्रिया'

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए : "राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युगों-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है, वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है। बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबन्धमात्र है, संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्त्वपूर्ण स्थान है। यदि भूमि और जन अपनी संस्कृति से विरहित कर दिये जायँ, तो राष्ट्र का लोप समझना चाहिए।" (i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए। (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। (iii) मनुष्य के जीवन की श्वास-प्रश्वास क्या है? (iv) राष्ट्र का लोप कब समझना चाहिए? (v) राष्ट्र की वृद्धि कैसे सम्भव है?

OR

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : "अशोक-वृक्ष की पूजा इन्हीं गन्धर्वों और यक्षों की देन है। प्राचीन साहित्य में इस वृक्ष की पूजा के उत्सवों का बड़ा सरस वर्णन मिलता है। असल पूजा अशोक की नहीं, बल्कि उसके अधिष्ठाता कन्दर्प-देवता की होती थी। इसे 'मदनोत्सव' कहते थे। महाराज भोज के 'सरस्वती-कण्ठाभरण' से जान पड़ता है कि यह उत्सव त्रयोदशी के दिन होता था। 'मालविकाग्निमित्र' और 'रत्नावली' में इस उत्सव का बड़ा सरस-मनोहर वर्णन मिलता है। मैं जब अशोक के लाल स्तवकों को देखता हूँ, तो मुझे वह पुराना वातावरण प्रत्यक्ष दिखायी दे जाता है।" (i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए। (ii) अशोक-वृक्ष की पूजा किसकी देन है? (iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। (iv) 'मदनोत्सव' किसे कहते हैं? (v) 'सरस्वती-कण्ठाभरण' किसकी रचना है?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए : "कबहुँ होत सत चंद कबहुँ प्रगटत दुरि भाजत। पवन गवन बस बिंब रूप जल मैं बहु साजत॥ मनु ससि भरि अनुराग जमुन जल लोटत डोलै। कै तरंग की डोर हिंडोरनि करति कलोलै॥ कै बालगुड़ी नभ मैं उड़ी सोहत इत-उत धावती। कै अवगाहत डोलत कोउ ब्रजरमनी जल आवती॥" (i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ एवं रचयिता का नाम लिखिए। (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। (iii) 'मनु ससि भरि अनुराग जमुन जल लोटत डोलै।' इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए। (iv) 'बालगुड़ी' तथा 'हिंडोरनि' शब्द का अर्थ लिखिए। (v) 'अवगाहन' यह शब्द किस शब्द का पर्यायवाची शब्द है?

OR

निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : "सामने टिकते नहीं वनराज, पर्वत डोलते हैं, काँपता है कुंडली मारे समय का व्याल, मेरी बाँह में मारुत, गरण, गजराज का बल है। मर्त्य मानव की विजय का तूर्य हूँ मैं, उर्वशी! अपने समय का सूर्य हूँ मैं। अंध तम के भाल पर पावक जलाता हूँ, बादलों के सीस पर स्यन्दन चलाता हूँ।" (i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए। (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। (iii) राजा पुरुरवा अपने मन की स्थिति का वर्णन किससे कर रहे हैं? (iv) 'व्याल' और 'स्यन्दन' शब्द का अर्थ लिखिए। (v) 'मारुत' और 'पावक' किसके पर्यायवाची शब्द हैं?

5(a). निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए (वासुदेवशरण अग्रवाल / कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' / हरिशंकर परसाई) : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

5(b). निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उसकी साहित्यिक विशेषताएँ लिखिए (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र / सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' / महादेवी वर्मा) : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

6. 'लाटी' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्रचित्रण कीजिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

OR

'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

7(a). स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्रचित्रण कीजिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

OR

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

8(a). निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : "संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भासभारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते। इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते। इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति। ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती' इति।"

OR

निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : "यदा अयं षोडशवर्षदेशीयः आसीत् तदास्य कनीयसी भगिनीः विषूचिकया पञ्चत्वं गता। वर्षत्रयानन्तरम् अस्य पितृव्योऽपि दिवंगतः। द्वयोर्नयोः मृत्युं दृष्ट्वा आसीत् अस्य मनसि — कथमहं कथं वा अयं लोकः मृत्युभयात् मुक्तः स्यादिति चिन्तयतः एतस्य हृदि सहसैव वैराग्यप्रदीपः प्रज्वलितः। एकस्मिन् दिवसे अस्तंगते भगवति भास्वति मूलशङ्करः गृहमत्यजत्। सप्तदशवर्षाणि यावत् अमरत्वप्राप्त्युपायं चिन्तयन् मूलशङ्करः ग्रामाद् ग्रामं, नगरान्नगरं वनाद् वनं, पर्वतात् पर्वतमभ्रमत् परं नाविन्दत् अतितरां तृप्तिम्।"

8(b). निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : "प्रजानां विनयाधानाद् रक्षणाद् भरणादपि। स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः॥"

OR

निम्नलिखित संस्कृत पद्यांश का सन्दर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : "निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्। अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः॥"

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : (क) मैत्रेयी कस्य पत्नी आसीत्? (ख) हंसराजः स्वदुहितरं कस्मै अददात्?

10(a). 'शृंगार' रस की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए।

10(b). 'रूपक' अलंकार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए।

10(c). 'सोरठा' छन्द की उदाहरण-सहित परिभाषा दीजिए।

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : विज्ञान वरदान है या अभिशाप

12(a)(i). 'प्रेजते' का सन्धि-विच्छेद है :

(A) प्रे + जते

(B) प्रेज + ते

(C) प्र + एजते

(D) प्रेय + ते

12(a)(ii). 'कश्चित्' का सन्धि-विच्छेद है :

(A) कस् + चित्

(B) कष् + चित्

(C) कस + चित्

(D) कश + चित्

12(a)(iii). 'निस्तारणम्' का सन्धि-विच्छेद है :

(A) निस्ता + रणम्

(B) निस्त + आरणम्

(C) निस + तारणम्

(D) निः + तारणम्

12(b)(i). 'निर्दोष' शब्द में समास है :

(A) कर्मधारय

(B) बहुव्रीहि

(C) अव्ययीभाव

(D) द्वन्द्व

12(b)(ii). 'त्रिनेत्रः' शब्द में समास है :

(A) बहुव्रीहि

(B) तत्पुरुष

(C) अव्ययीभाव

(D) कर्मधारय

13(a)(i). 'श्रुत्वा' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है :

(A) क्त

(B) क्त्वा

(C) त्व

(D) मतुप्

13(a)(ii). 'रूपवान्' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है :

(A) मतुप्

(B) वतुप्

(C) अनीयर्

(D) तव्यत्

13(b)(i). 'येनाङ्गविकारः' का उदाहरण है :

(A) छात्रेण सह शिक्षकः गच्छति।

(B) सः शिरसा खल्वाटः।

(C) तस्मै श्रीगुरवे नमः।

(D) नदीनां गङ्गा श्रेष्ठा।

13(b)(ii). 'षष्ठी शेषे' का उदाहरण है :

(A) सः विद्यालयं प्रति गच्छति।

(B) पुत्रेण सह पिता गच्छति।

(C) सुग्रीवः रामस्य सखा आसीत्।

(D) दैत्येभ्यः हरिः अलम्।

14. अपने मोहल्ले की गन्दी नालियों की सफाई के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए।